

1/10/24

इति वस्तु वारी अनुपलब्ध। इति वस्तु  
 प्रतिवादीय उच्यते आकाश लाकट्ट गद्य  
 इति वस्तु वारी। अथवा वारी स्वयं  
 उपलब्ध नही ह्ये। अथ। वाद पत्र  
 अदम हारी अदम परकी <sup>अनुपलब्ध</sup> सुपरीति  
 किन्ना जायते। पत्रपत्र वस्तु  
 शुभा हो कर ~~वस्तु~~ वस्तु

२  
 १००